B-3
L-29
Indian Society

06/01/2024

नगरीकरण, उसकी समस्याएँ और समाधान

नगरीकरण शब्दावली-

① बस्ती-
व्यक्तियों के रहने का सबसे छोटा समूह

② गांव-
बस्ती से थोड़ा बड़ा आवासीय क्षेत्र इसका एक विशिष्ट नाम और एक भौगोलिक क्षेत्र होता है और जिसकी संस्कृति ग्रामीण होती है।

③ कस्बा-
5000 से अधिक और एक लाख से कम जनसंख्या वाला आवासीय समूह जो गाँव एवं नगर की मुख्य विशेषताएँ (मुख्यत: नगर की) रखता है और जहां गैर-कृषि कार्य की प्रधानता होती है।

④ नगर-
एक लाख और उससे अधिक जनसंख्या वाला आवासीय समूह जहां अत्यधिक जन घनत्व और 2/3 जनसंख्या गैर-कृषि कार्यों में तथा नगरीय जीवनशैली की प्रधानता होती है।

KGS IAS KHAN GLOBAL STUDIES KHAN SIR

नगरीयता / नगरवाद -
नगरीय जीवनशैली को ही नगरीयता कहते हैं।

(5) महानगर - दस लाख और उससे अधिक जनसंख्या वाला नगर

(6) मेगानगर - एक करोड़ और उससे अधिक जनसंख्या वाला नगर

(7) नगरीय उपसमूहन - समीप स्थित दो या दो से अधिक मुख्यतः विधिक नगरों का समूह (भारत में पहली बार इसे 1971 की जनगणना में अपनाया गया है)

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

(8) उपनगर - किसी मुख्य नगर की परिधि पर स्थित अपेक्षाकृत छोटा नगर जो अपनी आर्थिक आवश्यकताओं के लिए मुख्य नगर पर निर्भर होता है तथा उसकी अपनी पृथक विधिक पहचान होती है

(9) सैटेलाइट टाउन - मुख्य नगर से थोड़ी दूर पर

अवस्थित कस्बा जिसपर मुख्य नगर कच्चे माल के लिए निर्भर होता है और जो मुख्य नगर पर द्वितीयक उत्पाद के लिए निर्भर होता है।

नगरीय वृद्धि-
किसी देश में नगरों की संख्या में वृद्धि या नगरीय जनसंख्या के प्रतिशत में वृद्धि (मुख्यतः मात्रात्मक)- नगरीय वृद्धि कहलाता है।

नगरीय विकास-
नगरीय जनसंख्या के जीवन स्तर में सुधार (मुख्यतः गुणात्मक) नगरीय विकास कहलाता है।

KGS IAS KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

नगरीकरण-
मुख्यतः नगरीय जीवन शैली का फैलाव या प्रसार (मुख्यतः गुणात्मक साथ ही मात्रात्मक भी)।

उपनगरीकरण-
नगर से बाहर परिधि विस्तार के कारण छोटे कस्बे के विकास की प्रक्रिया या उपनगर के विकास की प्रक्रिया उपनगरीकरण कहलाती है।

अतिनगरीकरण - किसी भी नगर की आर्थिक क्षमता एवं अवसंरचनात्मक सुविधाओं की क्षमता की तुलना में अधिक जनसंख्या का नगर में आ जाना अतिनगरीकरण कहलाता है।

नगरीय उपांग (Urban Sprawl) - (नगरीय फैलाव) नगर में अत्यधिक जनसंख्या के बोझ के कारण/परिणामस्वरूप नगर के परिधि क्षेत्र में अनियोजित तरीके से जन-संख्या के फैलाव की प्रक्रिया को नगरीय उपांग कहा जा जाता है।

KGS KHAN GLOBAL STUDIES IAS Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

प्रति नगरीकरण (Counter Urbanisation) - अतिनगरीकरण की स्थिति में नगर के ऊपर जनसंख्या के भार को कम करने के लिए नियोजित तरीके से नगर के परिधि क्षेत्रों में नगरीय जनसंख्या के विकेन्द्रीकरण की प्रक्रिया को प्रतिनगरीकरण कहते हैं।

जीवन निर्वाह नगरीकरण - नगरीकरण का वह रूप जहां नगर में रहते हुए भी लोग नगरीय सुख-

सुविधाओं से वंचित लोगों की संख्या मे वृद्धि होती है, जीवन निर्वाह नगरीकरण कहा जाता है।

ग्राम्य नगरीकरण -
नगर की परिधि विस्तार का वह रूप जहां नगर की परिधि पर अवस्थित गांव में नगरीय संस्कृति का विस्तार होने से एक गांव और नगर की मिश्रित संस्कृति वाले क्षेत्र का विकास होता है।

नगरीय गाँव -
नगर के बीच (अंदर) स्थित गाँव जो चारों तरफ से नगर से घिरा होने के बावजूद अपनी ग्रामीण संस्कृति को बनाए रखता है, नगरीय गांव कहलाता है।

नगरीय पुनर्चक्रण -
नगर के पुराने जर्जर मकान या स्लम को तोड़कर बड़े - बड़े मॉल, अपार्टमेंट या फ्लैट बनाने की प्रक्रिया को नगरीय पुनर्चक्रण की संज्ञा दी जाती है।

अर्थात इन जगहों से गरीबों को हटाकर उच्च मध्यवर्गीय लोगों को बसाया जाता है, इसलिए कुछ विद्वानों ने इसको

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

जेन्ट्रीफिकेशन (Gentrification) की संज्ञा दी है।

नगरीय नियोजन - नगर के विकास या निर्माण हेतु योजना बनाना नगरीय नियोजन कहलाता है।

मास्टर प्लान -

नगर के विस्तार एवं सुधार हेतु या विकास हेतु तैयार किए गए प्रस्तावों की रूप-रेखा को मास्टर प्लान की संज्ञा दी जाती है।

भारत में नगर की परिभाषा :-

जनगणना 1961 के पश्चात जनगणना 1971 के अनुसार-

a. वह स्थान जो नगर निगम या नगरपालिका या अधिसूचित नगरीय क्षेत्र या छावनी बोर्ड के अधीन हो

अथवा

b. वह स्थान जिनमें निम्न विशेषताएँ विद्यमान हो-

i) जिसकी आबादी 5000 से अधिक हो

ii) 400 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर का जनघनत्व

iii) 75% आबादी गैर- कृषि कार्यों में संलग्न हो

KGS IAS KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

iv). उच्च नगरीय सुविधाओं से युक्त हो

⇓

इसी को नगरीय क्षेत्र कहा जाता है।

भारत में नगर का वर्गीकरण :-

① गाँव / बस्ती - 5000 से कम जनसंख्या

② कस्बा - 5000 या उससे अधिक परंतु 1 लाख से कम

③ शहर / नगर - 1 लाख या उससे अधिक परंतु 10 लाख से कम

④ महानगर - 10 लाख या उससे अधिक परंतु 1 करोड़ से कम

⑤ मेगानगर - 1 करोड़ या उससे अधिक (2011 की जनगणना के अनुसार 3 मेगासिटी - मुंबई, दिल्ली, कोलकाता)

महत्वपूर्ण तथ्य -

- UN वर्ल्ड सिटी रिपोर्ट 2016 में भारत में 5 मेगासिटी को पहचाना गया है - मुंबई, दिल्ली, कोलकाता, बैंगलुरु एवं चेन्नई
- 2030 तक 2 और मेगासिटी के विकास का

KGS IAS

अनुमान लगाया गया है।

1. हैदराबाद   2. अहमदाबाद

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR